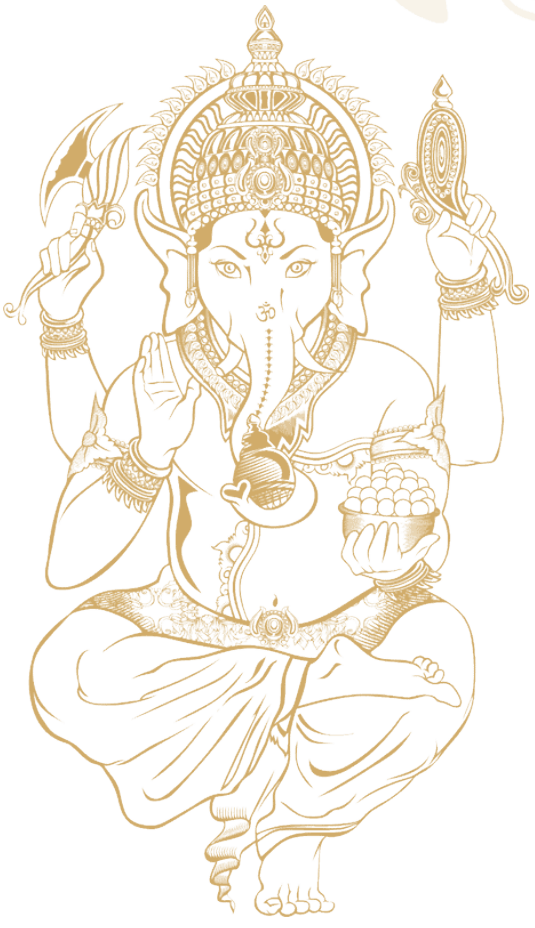

Pu

13 Apr 1987

08:07 AM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119325301

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/04/1987	जन्म तिथि	**12-13/04/2025**
सोमवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 08:07:00	जन्म समय	02:09:51 घंटे
घटी 05:20:19	जन्म समय(घटी)	50:26:52 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:58:52	सूर्योदय	05:59:06
18:44:44	सूर्यास्त	18:45:11
23:40:42	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:37

वृष	लग्न	मकर
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	कन्या
बुध	राशि-स्वामी	बुध
हस्त	नक्षत्र	चित्रा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
2	चरण	2
व्याघात	योग	हर्षण
वणिज	करण	बव
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	पो-पोशाली
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	मानव
महिष	योनि	व्याघ्र
देव	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मूषक
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
कृतिका	4	07:23:25	वृष		
रेवती	4	28:58:19	मीन		
हस्त	2	16:30:57	कन्या		
रोहिणी	1	11:16:53	वृष		
उ०भाद्रपद	2	06:43:39	मीन		
उ०भाद्रपद	4	16:15:57	मीन		अ
पू०भाद्रपद	2	24:48:38	कुंभ		
ज्येष्ठा	4	27:20:52	वृश्चि	व	
रेवती	1	17:52:33	मीन		
हस्त	3	17:52:33	कन्या		
मूल	1	02:59:20	धनु	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मक	11:06:12	1	श्रवण
सूर्य			मीन	28:58:18	4	रेवती
चंद्र			कन्या	27:17:53	2	चित्रा
मंगल			कर्क	03:39:24	1	पुष्य
बुध			मीन	03:51:43	1	उ०भाद्रपद
गुरु		अ	वृष	23:44:02	1	मृगशिरा
शुक्र	व		मीन	00:24:55	4	पू०भाद्रपद
शनि			मीन	01:40:20	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		मीन	03:08:00	4	पू०भाद्रपद
केतु	व		कन्या	03:08:00	2	उ०फाल्गुनी
मु			कर्क	07:23:25	2	पुष्य

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:37

लग्न-चलित

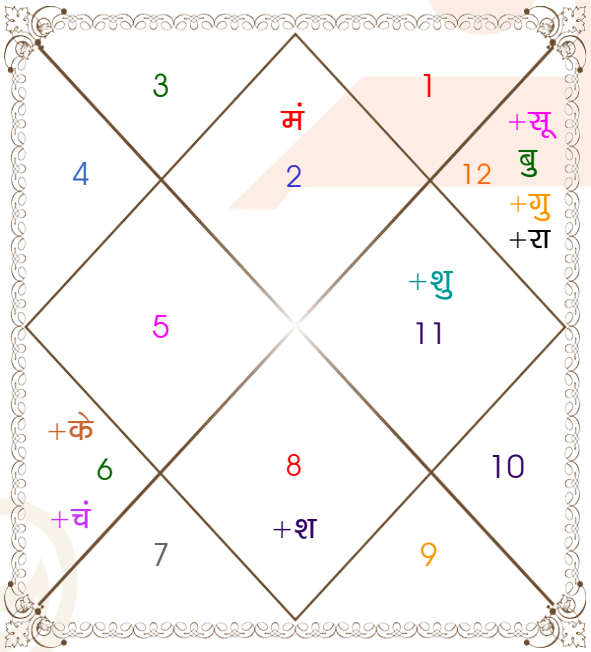

वर्ष लग्न कुंडली

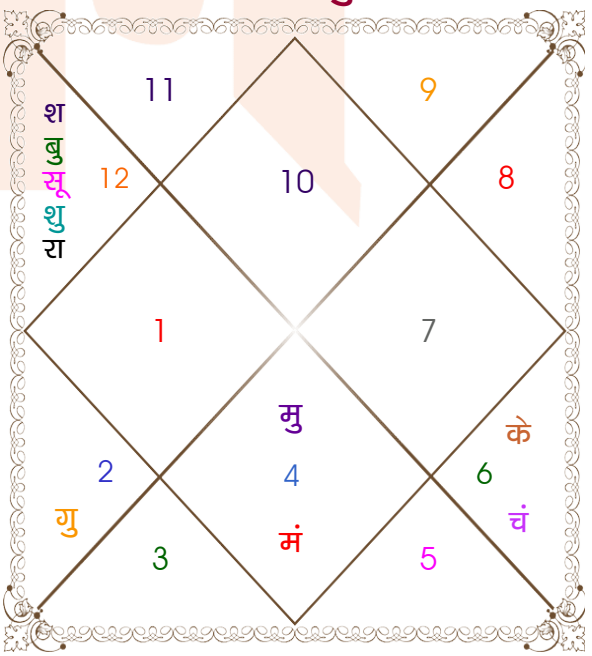

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

चन्द्र कुंडली

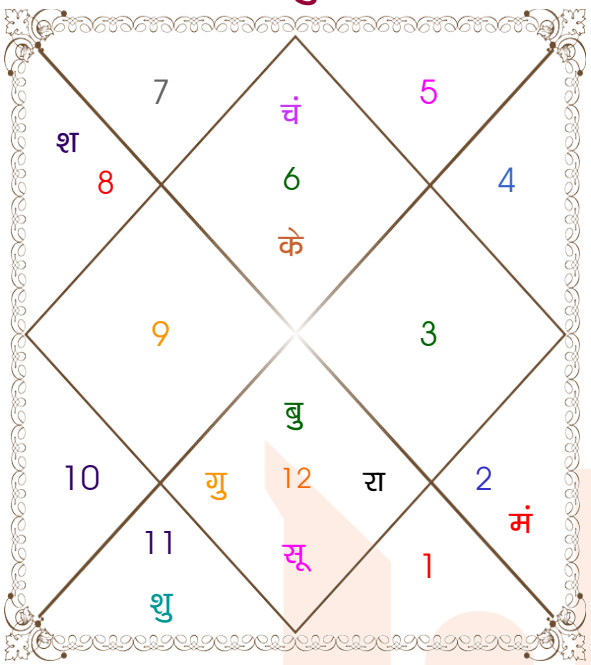

वर्ष चन्द्र कुंडली

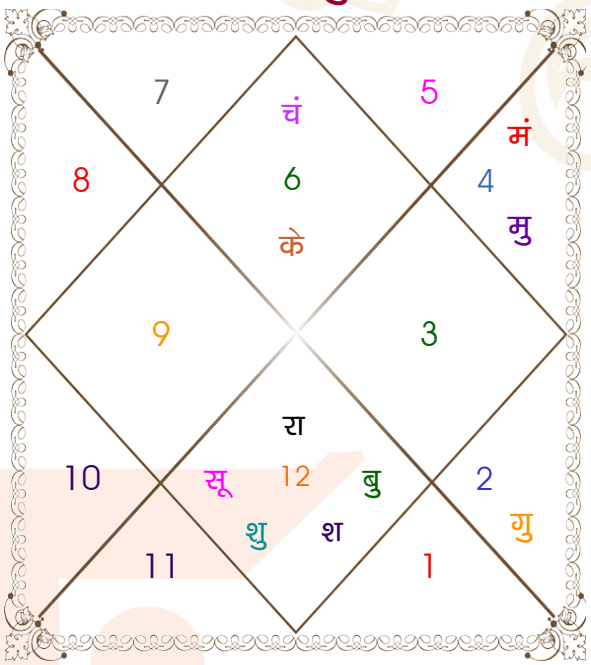

नवमांश कुंडली

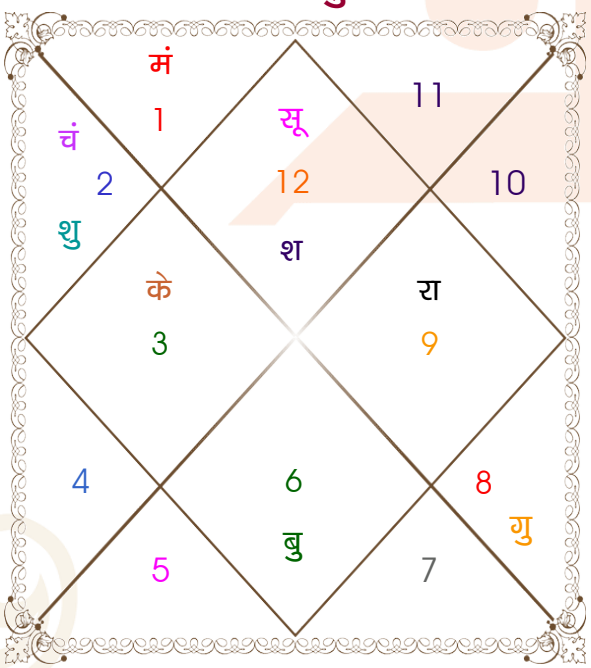

वर्ष नवमांश कुंडली

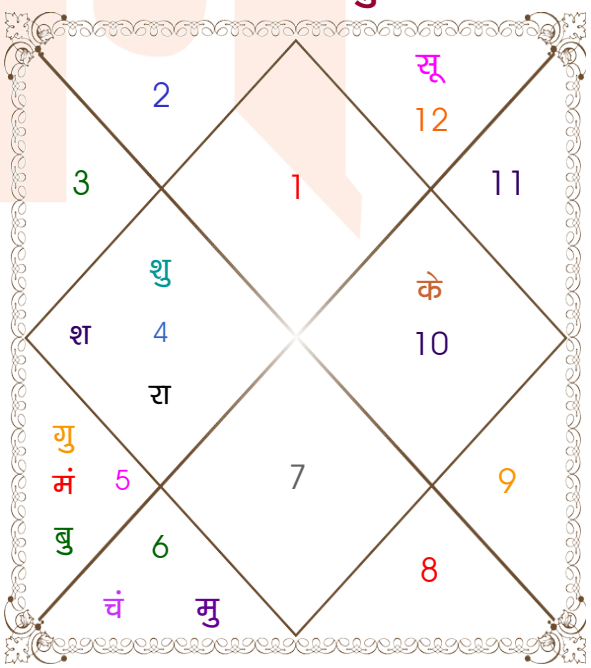

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
चन्द्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
शनि	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मक	मीन	कन्या	कर्क	मीन	वृष	मीन	मीन
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	वृश्चि	वृश्चि	कन्या	वृष	मक	मक	मक	मक
चतुर्थांश	मेष	धनु	मिथु	कर्क	मीन	कुंभ	मीन	मीन
पंचमांश	कन्या	वृश्चि	वृश्चि	वृष	वृष	मक	वृष	वृष
षष्ठांश	धनु	मीन	मीन	तुला	तुला	कुंभ	तुला	तुला
सप्तमांश	कन्या	मीन	कन्या	मक	कन्या	मेष	कन्या	कन्या
अष्टमांश	मिथु	धनु	धनु	मेष	मिथु	कुंभ	वृष	वृष
नवमांश	मेष	मीन	कन्या	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
दशमांश	धनु	सिंह	कुंभ	मेष	धनु	सिंह	वृश्चि	वृश्चि
एकादशांश	मेष	धनु	मिथु	कर्क	मीन	धनु	कुंभ	कुंभ
द्वादशांश	वृष	कुंभ	कर्क	सिंह	मेष	कुंभ	मीन	मीन

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
होरा	स्व	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
द्रेष्काण	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	स्व
चतुर्थांश	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
पंचमांश	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु
षष्ठांश	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु
सप्तमांश	मित्र	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	शत्रु	शत्रु
अष्टमांश	मित्र	मित्र	स्व	स्व	मित्र	स्व	शत्रु
नवमांश	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु
दशमांश	स्व	शत्रु	स्व	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
एकादशांश	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु	स्व
द्वादशांश	शत्रु	स्व	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
शुभ	11	4	12	7	12	7	6
सम	0	0	0	0	0	0	0
अशुभ	1	8	0	5	0	5	6
कुल	शुभ	अशुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सम

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	0
तृतीय बल	0	5	0	5	5	5	5
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल	0	10	0	10	5	15	10
बल	अतिक्षीण	सामान्य	अतिक्षीण	सामान्य	क्षीण	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	22.50	7.50	22.50	22.50	22.50	22.50	22.50
उच्च बल	18.77	3.97	2.70	1.24	15.41	17.05	5.37
हददा बल	3.75	11.25	15.00	3.75	11.25	15.00	3.75
द्रेष्काण	7.50	2.50	7.50	2.50	7.50	2.50	10.00
नवमांश	3.75	1.25	3.75	1.25	3.75	1.25	1.25
कुल	56.27	26.47	51.45	31.24	60.41	58.30	42.87
विंशोपक	14.07	6.62	12.86	7.81	15.10	14.57	10.72
बल	शुभ	सामान्य	शुभ	सामान्य	बली	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	14.57	शुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	शनि	10.72	शुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	चंद्र	6.62	अतिशुभ	शुक्र
दिवापति	बुध	7.81	शुभ	
त्रिराशिपति	मंगल	12.86	अति अशुभ	

पात्यंश दशा

शुक्र		शनि		मंगल		बुध		लग्न	
13/04/2025		18/04/2025		04/05/2025		29/05/2025		31/05/2025	
18/04/2025		04/05/2025		29/05/2025		31/05/2025		31/08/2025	
	13/04/2025	शनि	19/04/2025	मंगल	05/05/2025	बुध	29/05/2025	लग्न	23/06/2025
	13/04/2025	मंगल	20/04/2025	बुध	06/05/2025	लग्न	29/05/2025	गुरु	02/08/2025
	13/04/2025	बुध	20/04/2025	लग्न	12/05/2025	गुरु	30/05/2025	चंद्र	13/08/2025
	13/04/2025	लग्न	24/04/2025	गुरु	23/05/2025	चंद्र	31/05/2025	सूर्य	18/08/2025
लग्न	15/04/2025	गुरु	01/05/2025	चंद्र	26/05/2025	सूर्य	31/05/2025	शुक्र	20/08/2025
गुरु	17/04/2025	चंद्र	03/05/2025	सूर्य	27/05/2025	शुक्र	31/05/2025	शनि	24/08/2025
चंद्र	18/04/2025	सूर्य	03/05/2025	शुक्र	28/05/2025	शनि	31/05/2025	मंगल	30/08/2025
सूर्य	18/04/2025	शुक्र	04/05/2025	शनि	29/05/2025	मंगल	31/05/2025	बुध	31/08/2025

गुरु		चंद्र		सूर्य		शुक्र	
31/08/2025		06/02/2026		23/03/2026		13/04/2026	
06/02/2026		23/03/2026		13/04/2026		00/00/0000	
गुरु	08/11/2025	चंद्र	11/02/2026	सूर्य	24/03/2026	शुक्र	13/04/2026
चंद्र	28/11/2025	सूर्य	14/02/2026	शुक्र	24/03/2026		00/00/0000
सूर्य	07/12/2025	शुक्र	15/02/2026	शनि	25/03/2026		00/00/0000
शुक्र	09/12/2025	शनि	17/02/2026	मंगल	27/03/2026		00/00/0000
शनि	16/12/2025	मंगल	20/02/2026	बुध	27/03/2026		00/00/0000
मंगल	27/12/2025	बुध	20/02/2026	लग्न	01/04/2026		00/00/0000
बुध	28/12/2025	लग्न	03/03/2026	गुरु	10/04/2026		00/00/0000
लग्न	06/02/2026	गुरु	23/03/2026	चंद्र	13/04/2026		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

राहु		गुरु		शनि		बुध		केतु	
13/04/2025		06/06/2025		25/07/2025		21/09/2025		12/11/2025	
06/06/2025		25/07/2025		21/09/2025		12/11/2025		03/12/2025	
राहु	21/04/2025	गुरु	13/06/2025	शनि	03/08/2025	बुध	28/09/2025	केतु	13/11/2025
गुरु	28/04/2025	शनि	21/06/2025	बुध	11/08/2025	केतु	01/10/2025	शुक्र	16/11/2025
शनि	07/05/2025	बुध	27/06/2025	केतु	15/08/2025	शुक्र	10/10/2025	सूर्य	18/11/2025
बुध	15/05/2025	केतु	30/06/2025	शुक्र	24/08/2025	सूर्य	12/10/2025	चंद्र	19/11/2025
केतु	18/05/2025	शुक्र	08/07/2025	सूर्य	27/08/2025	चंद्र	17/10/2025	मंगल	21/11/2025
शुक्र	27/05/2025	सूर्य	11/07/2025	चंद्र	01/09/2025	मंगल	20/10/2025	राहु	24/11/2025
सूर्य	30/05/2025	चंद्र	15/07/2025	मंगल	05/09/2025	राहु	28/10/2025	गुरु	27/11/2025
चंद्र	03/06/2025	मंगल	18/07/2025	राहु	13/09/2025	गुरु	03/11/2025	शनि	30/11/2025
मंगल	06/06/2025	राहु	25/07/2025	गुरु	21/09/2025	शनि	12/11/2025	बुध	03/12/2025

शुक्र		सूर्य		चंद्र		मंगल		मंगल	
03/12/2025		02/02/2026		20/02/2026		23/03/2026		23/03/2026	
02/02/2026		20/02/2026		23/03/2026		13/04/2026		13/04/2026	
शुक्र	13/12/2025	सूर्य	03/02/2026	चंद्र	23/02/2026	मंगल	24/03/2026	मंगल	24/03/2026
सूर्य	16/12/2025	चंद्र	04/02/2026	मंगल	24/02/2026	राहु	27/03/2026	राहु	27/03/2026
चंद्र	21/12/2025	मंगल	05/02/2026	राहु	01/03/2026	गुरु	30/03/2026	गुरु	30/03/2026
मंगल	25/12/2025	राहु	08/02/2026	गुरु	05/03/2026	शनि	02/04/2026	शनि	02/04/2026
राहु	03/01/2026	गुरु	11/02/2026	शनि	10/03/2026	बुध	05/04/2026	बुध	05/04/2026
गुरु	11/01/2026	शनि	13/02/2026	बुध	14/03/2026	केतु	06/04/2026	केतु	06/04/2026
शनि	21/01/2026	बुध	16/02/2026	केतु	16/03/2026	शुक्र	10/04/2026	शुक्र	10/04/2026
बुध	29/01/2026	केतु	17/02/2026	शुक्र	21/03/2026	सूर्य	11/04/2026	सूर्य	11/04/2026
केतु	02/02/2026	शुक्र	20/02/2026	सूर्य	23/03/2026	चंद्र	13/04/2026	चंद्र	13/04/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शुक्र - शुक्र		गुरु - शुक्र - सूर्य		गुरु - शुक्र - चंद्र		गुरु - शुक्र - मंगल	
05/04/2025 10:38		14/09/2025 18:38		02/11/2025 11:26		22/01/2026 15:26	
14/09/2025 18:38		02/11/2025 11:26		22/01/2026 15:26		20/03/2026 11:02	
शुक्र	02/05/2025 11:58	सूर्य	17/09/2025 05:04	चंद्र	09/11/2025 05:46	मंगल	25/01/2026 22:58
सूर्य	10/05/2025 14:46	चंद्र	21/09/2025 06:28	मंगल	13/11/2025 23:24	राहु	03/02/2026 11:31
चंद्र	24/05/2025 03:26	मंगल	24/09/2025 02:39	राहु	26/11/2025 03:36	गुरु	11/02/2026 01:19
मंगल	02/06/2025 14:42	राहु	01/10/2025 09:58	गुरु	06/12/2025 23:20	शनि	20/02/2026 01:14
राहु	26/06/2025 23:06	गुरु	07/10/2025 21:48	शनि	19/12/2025 19:46	बुध	28/02/2026 02:24
गुरु	18/07/2025 14:34	शनि	15/10/2025 14:52	बुध	31/12/2025 07:44	केतु	03/03/2026 09:57
शनि	13/08/2025 07:26	बुध	22/10/2025 12:27	केतु	05/01/2026 01:22	शुक्र	12/03/2026 21:13
बुध	05/09/2025 07:22	केतु	25/10/2025 08:38	शुक्र	18/01/2026 14:02	सूर्य	15/03/2026 17:24
केतु	14/09/2025 18:38	शुक्र	02/11/2025 11:26	सूर्य	22/01/2026 15:26	चंद्र	20/03/2026 11:02

गुरु - शुक्र - राहु		गुरु - शुक्र - गुरु		गुरु - शुक्र - शनि		गुरु - शुक्र - बुध	
20/03/2026 11:02		13/08/2026 13:26		21/12/2026 10:14		24/05/2027 15:26	
13/08/2026 13:26		21/12/2026 10:14		24/05/2027 15:26		09/10/2027 15:02	
राहु	11/04/2026 08:59	गुरु	30/08/2026 21:00	शनि	14/01/2027 20:15	बुध	13/06/2027 04:34
गुरु	30/04/2026 20:30	शनि	20/09/2026 10:30	बुध	05/02/2027 16:35	केतु	21/06/2027 05:45
शनि	23/05/2026 23:41	बुध	08/10/2026 20:02	केतु	14/02/2027 16:29	शुक्र	14/07/2027 05:41
बुध	13/06/2026 16:26	केतु	16/10/2026 09:51	शुक्र	12/03/2027 09:21	सूर्य	21/07/2027 03:16
केतु	22/06/2026 04:58	शुक्र	07/11/2026 01:19	सूर्य	20/03/2027 02:25	चंद्र	01/08/2027 15:14
शुक्र	16/07/2026 13:22	सूर्य	13/11/2026 13:10	चंद्र	01/04/2027 22:51	मंगल	09/08/2027 16:24
सूर्य	23/07/2026 20:41	चंद्र	24/11/2026 08:54	मंगल	10/04/2027 22:45	राहु	30/08/2027 09:09
चंद्र	05/08/2026 00:53	मंगल	01/12/2026 22:42	राहु	04/05/2027 01:56	गुरु	17/09/2027 18:41
मंगल	13/08/2026 13:26	राहु	21/12/2026 10:14	गुरु	24/05/2027 15:26	शनि	09/10/2027 15:02

गुरु - शुक्र - केतु		गुरु - सूर्य - सूर्य		गुरु - सूर्य - चंद्र		गुरु - सूर्य - मंगल	
09/10/2027 15:02		05/12/2027 10:38		20/12/2027 01:16		13/01/2028 09:40	
05/12/2027 10:38		20/12/2027 01:16		13/01/2028 09:40		30/01/2028 10:45	
केतु	12/10/2027 22:34	सूर्य	06/12/2027 04:09	चंद्र	22/12/2027 01:58	मंगल	14/01/2028 09:32
शुक्र	22/10/2027 09:50	चंद्र	07/12/2027 09:23	मंगल	23/12/2027 12:03	राहु	16/01/2028 22:53
सूर्य	25/10/2027 06:01	मंगल	08/12/2027 05:50	राहु	27/12/2027 03:43	गुरु	19/01/2028 05:26
चंद्र	29/10/2027 23:39	राहु	10/12/2027 10:26	गुरु	30/12/2027 09:38	शनि	21/01/2028 22:12
मंगल	02/11/2027 07:12	गुरु	12/12/2027 09:11	शनि	03/01/2028 06:10	बुध	24/01/2028 08:10
राहु	10/11/2027 19:44	शनि	14/12/2027 16:42	बुध	06/01/2028 16:57	केतु	25/01/2028 08:01
गुरु	18/11/2027 09:33	बुध	16/12/2027 18:22	केतु	08/01/2028 03:03	शुक्र	28/01/2028 04:12
शनि	27/11/2027 09:27	केतु	17/12/2027 14:50	शुक्र	12/01/2028 04:27	सूर्य	29/01/2028 00:39
बुध	05/12/2027 10:38	शुक्र	20/12/2027 01:16	सूर्य	13/01/2028 09:40	चंद्र	30/01/2028 10:45

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आप शारीरिक रूप से विशेष अच्छी नहीं रहेंगी तथा समय समय पर इससे आपको परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति होगी। मानसिक रूप से भी आप इस समय अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।पति एवं बन्धुवर्ग से आप विशेष सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त करेंगी। साथ ही यदा कदा उनसे आपको कष्ट भी प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा तथा वे आप के लिए प्रत्येक क्षेत्र में अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे चिन्तित रहेंगी । धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा भाव नहीं रहेगा तथा धर्म एवं धार्मिक कार्यो की आप उपेक्षा करेंगी ।साथ ही लोभ एव मोह की आप में अधिकता रहेगी।

व्यापारिक एवं कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करेंगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आप अपने वरिष्ठ सहयोगियों तथा उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए।इस समय व्यापार आदि में भी आपको अपने सहयोगियों से सावधान रहना चाहिए एवं किसी नवीन कार्य को प्रारम्भ नहीं करना चाहिए अन्यथा हानि की संभावना हो सकती है । मित्र वर्ग से भी आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा तथा वे इस समय आपके साथ शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। आलस्य की भी इस मास आप में अधिकता रहेगी तथा बन्धन आदि का भी भय रहेगा।अतः इस वर्ष को आप सावधानी एवं संयम पूर्वक व्यतीत करेंगी तो सांसारिक समस्याओं से आप सुरक्षित हो सकती है।

मासिक फलादेश

प्रथम मास

13/04/2025 02:09:51 से 13/05/2025 22:36:35 तक

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इस समय पति या बन्धुवर्ग को कष्ट हो सकता है तथा शत्रु भी कई बार अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। आप में उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी एवं धन भी अधिक रूप में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक या मानसिक कष्टों को प्राप्त करेंगी।साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी तथा लोभ के भाव की भी आप में प्रबलता दृष्टिगोचर होगी। इस मास में आपके मित्र भी शत्रुवत आपसे व्यवहार करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य समाजिक जनों से भी संघर्ष या वादविवाद हो सकता है। अतः धैर्यपूर्वक समस्याओं का सामना करने से ही आप शान्ति तथा सुख प्राप्त कर सकती हैं।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ इस मास में आपको शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा बुद्धिमता से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप रूचिशील रहेंगी।

द्वितीय मास

13/05/2025 22:36:35 से 14/06/2025 04:53:47 तक

आपका यह मास मध्यम रूप से व्यतीत होगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार से फलों की प्राप्ति होगी। इस समय शत्रु पक्ष से आप काफी भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी तथा घर में चोरों के द्वारा किसी प्रकार से हानि की भी सम्भावना रहेगी। इस मास में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे धनाभाव की स्थिति उत्पन्न होगी एवं धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा में न्यूनता का भाव आएगा इसके साथ ही विभन्न प्रकार से आप शारीरिक अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। जिससे शारीरिक बल में अल्पता का आभास होगा। इस मास में आप दूर या समीपस्थ किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस समय सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में भी आप अपने को असमर्थ समझेंगी जिससे आपके मन में तनाव उत्पन्न होगा। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा अतः सोच समझकर ही कार्यों को सम्पन्न करें।

लेकिन इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अवश्य प्राप्त करेंगी जिससे आप पति तथा संतति से पूर्ण सुखी एवं प्रसन्न रहेंगी। साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती हैं जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी।

तृतीय मास

14/06/2025 04:53:47 से 15/07/2025 15:39:44 तक

इस मास में आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करेंगी तथा विविध प्रकार के सुख संसाधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ सिद्ध होंगी। साथ ही समाज तथा समाजिक जनों के मध्य यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगी एवं इनसे आप उचित आदर एवं सम्मान भी प्राप्त करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान होगी तथा अवसरानुकुल आप इनको श्रद्धा तथा आदर प्रदान करेंगी। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के कार्यों को करने में भी आप तत्पर होंगी। शारीरिक रूप से आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा किसी भी प्रकार से कष्ट नहीं होगा। उच्चाधिकारी वर्ग का आश्रय भी आप प्राप्त करेंगी एवं उनके द्वारा समाज में प्रतिष्ठा होगी। मित्र वर्ग तथा भाई बहिनों से आपको इस मास उचित सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप सरकार या अपने वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगी जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस समय आप दूर या समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगी। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र एवं स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त कर सकती हैं। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नतादायक रहेगा।

चतुर्थ मास

15/07/2025 15:39:44 से 16/08/2025 00:12:04 तक

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभफलदायक रहेगा अतः आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त कर सकेंगी। सरकार या अन्य उच्च वर्ग के लोगों से भी आप धनलाभ अर्जित करने में सफल होंगी। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम भी हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगी। इस मास आपके समाज में यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी एवं दूर समीपस्थ स्थानों में लाभदायक यात्राओं के योग बनेंगे। उच्चाधिकारियों से भी आप सहयोग अर्जित करेंगी एवं मित्र तथा बन्धुवर्ग से आपके अत्यंत ही मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी।

साथ ही इस मास में आपका गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्र तथा आभूषणादि को भी प्राप्त करने में आप सफल रहेंगी। इस प्रकार आप आनंदपूर्वक इस समय को व्यतीत करेंगी।

पंचम् मास
16/08/2025 00:12:04 से 16/09/2025 00:28:51 तक

इस मास में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेगी। इस समय आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा स्व पराक्रम से आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही नाना प्रकार के सुखों का आप उपभोग करेंगी। इस समय सामाजिक जनों से आप मान सम्मान अर्जित करेंगी एवं आपका यश भी दूर दूर तक फैलेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा सम्पन्न करेंगी। अन्य जनों के परोपकार संबधी कार्य भी आप इस मास सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। इस समय आप शरीर से पूर्ण स्वस्थ रहेंगी तथा आपके शारीरिक बल में भी पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुजनों एवं मित्र जनों से भी अपेक्षित सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा आपके मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप पति से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को पूर्ण करने में सफल रहेंगी। इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। अतः इस महीने को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगी।

षष्ठ मास
16/09/2025 00:28:51 से 16/10/2025 12:53:30 तक

इस मास आप अति उत्साह से धनार्जन करने में सफल रहेंगी साथ ही समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी एवं यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा वे आपको सभी यथोचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। साथ ही इनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को शीघ्र ही सम्पन्न करेंगी। आपका स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा रहेगा तथा शरीर के बल में वृद्धि होगी। साथ ही मिष्ठान का भी आप अधिक मात्रा में उपभोग करेंगी। इस मास में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः उनको पराजित करने में आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि से भी आप धन अर्जित करने में सफल रहेंगी।

साथ ही इस मास में पति या पुरूष वर्ग से आप वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी।आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना बढ़ेगी एवं इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक सिद्ध होगा।

सप्तम् मास

16/10/2025 12:53:30 से 15/11/2025 13:07:50 तक

इस मास में आप अधिकाशं अशुभ फल प्राप्त करेंगी परन्तु शुभफल भी न्यूनाधिक अवश्य ही घटित होंगे। इस समय आप शत्रुवर्ग से भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी तथा घर में किसी प्रकार की चोरी की घटना भी हो सकती है। इस मास में आपका धन व्यय अधिक होगा अतः आर्थिक रूप से आप कमजोर होंगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में कोई विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी फलतः शरीर में भी दुर्बलता रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की किसी प्रकार की यात्रा भी कर सकती हैं। साथ ही अपने सांसारिक कार्यों को पूर्ण करने में आप असमर्थ रहेंगी फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही चिन्तित तथा उद्विग्न रहेंगी इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय होगा। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक इस मास को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी होते रहेंगे। अतः आप पति का पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होगा। इस समय आप की बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी कीर्ति में भी वृद्धि होगी।

अष्टम् मास

15/11/2025 13:07:50 से 15/12/2025 04:04:29 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही शत्रुपक्ष के बलवान होने के कारण आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। इस मास में आप अपने उच्चाधिकारियों का पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें अन्यथा उनसे आप किसी प्रकार दंडित भी हो सकती है।आपके शुभ तथा महत्वपूर्ण कार्य इस मास में कम ही सफल होंगे तथा असफलता ही अधिक मिलेगी। इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकती है जिसके बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। आपके बन्धु एवं मित्रों से इस समय संबध तनाव पूर्ण रहेंगे एवं मधुरता का अभाव रहेगा। साथ ही समाज में भी आपके सम्मान में कमी आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पित से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी तथा रक्त विकार का भय भी विद्यमान रहेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि से भी आपको किसी प्रकार की क्षति या नुकसान हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक आप अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

नवम् मास
15/12/2025 04:04:29 से 13/01/2026 14:53:43 तक

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण सफलता तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। अपने उच्चाधिकारी वर्ग को इस समय आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफल रहेंगी अतः कार्य क्षेत्र में विशेष उन्नति मिलेगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथ उनसे वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही उनकी भलाई भी आप यत्नपूर्वक करती रहेंगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी समय में सम्पन्न होंगे। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इस मास में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी सामाजिक जन आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे। आपका यश भी समाज में इस समय दूर दूर तक व्याप्त रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने में आप नवीन गृह की प्राप्ति या स्थान परिवर्तन भी कर सकती हैं।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा आपकी अधिकाशं मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी। इसके साथ ही धन एवं सुख का उपभोग करते हुए प्रसन्नता पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

दशम् मास
13/01/2026 14:53:43 से 12/02/2026 03:44:43 तक

इस मास में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में पूर्ण रूप से सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगी। साथ ही सामाजिक जनों से आप यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करती रहेंगी। साथ ही अन्य सामाजिक जनों की भलाई के कार्यो में भी आप तत्पर रहेंगी। आपका स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग लाभ तथा धनार्जन करने में सफलता प्राप्त करेंगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके मनोवांछित संकल्प भी इस समय पूर्ण होंगे। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा उनकी ओर से निश्चिन्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण की भी प्राप्ति कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

एकादश मास

12/02/2026 03:44:43 से 14/03/2026 00:18:04 तक

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी। इस समय शत्रु वर्ग से आप चिन्तित रहेंगी एवं आपके लिए वे अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। साथ ही इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम के पश्चात भी अल्प मात्रा में ही सफल हो सकेंगे। इस समय आपका धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में अल्प श्रद्धा का भाव रहेगा एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप उचित पूजन तथा सम्मान कम ही करेंगी। शरीर से भी आप अस्वस्थ रहेंगी तथा कई प्रकार से कष्टानुभूति कर सकती हैं फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी सम्पन्न हो सकती है। इस समय आप पारिवारिक कार्यो को पूर्ण करने में भी असफल रहेंगी तथा मुकद्दमे आदि में धन का व्यय होगा। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगी।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपनी बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करके प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। अतः आप अल्प मात्रा में ही सुखों का उपभोग करेंगी तथा प्रसन्न रहेंगी।

द्वादश मास

14/03/2026 00:18:04 से 13/04/2026 08:22:01 तक

इस महीने में आप अपने कार्य क्षेत्र में आशातीत सफलता अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। फलतः आप उन्नति की ओर अग्रसर होंगी। अपने बन्धुओं तथा मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही समाज में अन्य लोगों के परोपकार संबधी कार्यो को सम्पन्न करने में भी आप तत्पर रहेंगी।आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इसी मास में सम्पन्न होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप उनकी सेवा करेंगी। इस समय समाज में सर्वत्र आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका आदर करेंगे। आपकी कीर्ति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी तथा अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस मास में आपको नवीन गृह की प्राप्ति या कोई स्थान परिवर्तन हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आप नवीन वस्त्र या स्वर्णादि के आभूषण भी प्राप्त करेंगी। अतः प्रसन्नता पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।